नकली शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी, एक गिरफ्तार

Publish Date:Wed, 25 Jul 2018 09:23 PM (IST)

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: आबकारी विभाग ने सलेमपुर में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का भं

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: आबकारी विभाग ने सलेमपुर में ब्रांडेड कपंनियों के नाम पर नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। मकान में चल रही फैक्ट्री से कच्चा माल और तैयार की गई नकली अंग्रेजी शराब के अलावा ब्रांडेड कंपनियों की खाली बोतल, रेपर और ढक्कन आदि बरामद हुए हैं। फैक्ट्री चलाने वाले शराब तस्कर राजा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

जिला आबकारी अधिकारी प्रशांत कुमार को पिछले कुछ दिन से सलेमपुर क्षेत्र में नकली शराब बनाने की शिकायतें मिल रही थी। सूचना पर मंगलवार रात विभाग की टीम ने एक मकान में छापा मारा गया। फैक्ट्री में अंग्रेजी शराब की नामी कंपनियों की खाली बोतल, रेपर व पैकेट भारी मात्रा में जमा किए गए थे। नकली शराब बनाने का कच्चा माल और लाखों रुपये का तैयार माल भी बरामद हुआ। रात 11:30 बजे से कार्रवाई सुबह करीब 3:30 बजे तक चली। आबकारी निरीक्षक लक्ष्मण ¨सह बिष्ट ने बताया कि पकड़ा गया आरोपित राजा अपने घर में ही नकली अंग्रेजी शराब की फैक्ट्री चला रहा था। नकली शराब रावली महदूद, सलेमपुर व शहर के अलावा पर्वतीय जिलों में सप्लाई की जाती थी। विभाग की टीम में जिला आबकारी अधिकारी प्रशांत कुमार, आबकारी निरीक्षक लक्ष्मण ¨सह बिष्ट, उपनिरीक्षक शैलेंद्र उनियाल, मनोज गुप्ता, लखीराम शामिल रहे। 24 घंटे में दो बार पकड़ा गया था राजा: नकली शराब बनाने वाले राजा को रानीपुर पुलिस कई बार गिरफ्तार कर चुकी है। पिछले दिनों रानीपुर पुलिस ने लोडर में 50 पेटी शराब लेकर जाते हुए उसे गिरफ्तार किया था। कोर्ट में पेश करने पर उसे जमानत मिल गई। 24 घंटे के भीतर राजा को फिर से लोडर में 50 पेटी शराब के साथ पकड़ा गया। दोनों लोडर छुड़ाने के लिए राजा ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। रानीपुर कोतवाली प्रभारी यशपाल ¨सह बिष्ट ने कोर्ट में आपत्ति दाखिल कर बताया कि राजा पेशेवर शराब तस्कर है। शराब तस्करी के धंधे के बाद राजा ने नकली शराब बनाने का धंधा शुरू कर दिया। नकली शराब पीने वालों की जा सकती है जान: आबकारी विभाग के मुताबिक नकली अंग्रेजी शराब बनाने के लिए हरियाणा से सस्ती शराब मंगाई जाती थी। उसमें स्प्रिट मिलाकर नकली शराब बनाते हुए ब्रांडेड कंपनियों की बोतल में भरकर लेबल लगा दिया जाता था। बाजार में अंग्रेजी शराब बताकर बोतल को करीब 950 रुपये में बेचा जाता था, जबकि इस बोतल में लागत 200 रुपये से ज्यादा नहीं आती। आबकारी निरीक्षक ने बताया कि शराब में एल्कोहल की मात्रा 42.8 प्रतिशत रहती है, मगर नकली शराब बनाने वालों के पास इसका कोई मेजरमेंट ही नहीं है कि कितना एल्कोहल मिलाया जाए। यदि एल्कोहल ज्यादा हो जाए तो शराब पीने वाले की जान भी जा सकती है।

Source: https://www.jagran.com/uttarakhand/haridwar-aaaa-18240999.html